हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 26 देहरादून, शुक्रवार, 14 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री ने किया लक्सर क्षेत्र के जलभराव वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण 3

हरिद्वार में भोले के भक्तों का सैलाब, हाईवे से शहर तक पैर रखने की जगह नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 14 जुलाई : हरिद्वार में कई दिनों से हो रही बारिश के बाद भी हर तरफ बम-बम भोले की गूंज और दूर-दूर तक कांवड़ियों का रेला उमड़ रहा है। पूरा शहर भगवामय नजर आ रहा है। शिवभक्त बारिश के बीच लगातार अपने गंतव्य की ओर से बढ़ रहे हैं। डाक कांवड़ शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में कांवड़िए हरिद्वार पहुंचे हैं। भारी भीड़ से बिरला पुल और चंडी घाट के बीच भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। हरकी पैड़ी और आस-पास के क्षेत्रों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। वहीं, कांवड़िये हाईवे से होते हुए दोपहिया वाहन वाले कांवड़िये शहर के अंदर आने का प्रयास करते हैं। जिसको लेकर पुल जटवाड़ा, सिंहद्वार चौक, प्रेमनगर आश्रम चौक, ऋषिकुल, शंकराचार्य चौक, पंतद्वीप, खड़खड़ी सूखी नदी, डाम कोठी आदि स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। जिन पर कांवड़ियों को रोक दिया जा रहा है।

उन्हें शहर के अंदर नहीं घुसने दिया जा रहा है जबकि स्थानीय लोगों को वाहनों के नंबर देखकर अंदर भेजा जा रहा है। गुरुवार को धर्मनगरी में डाक कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। अब तक ढाई करोड़ से ज्यादा कांवड़िये गंगाजल भरकर रवाना हो चुके हैं। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक पहले दिन पहले दिन एक लाख 10 हजार, दूसरे दिन 8 लाख 50 लाख, तीसरे 10 लाख 50 हजार, चौथे दिन 15 लाख 20 हजार पांचवें दिन 22 लाख 25 हजार, छठे दिन 32 लाख 40 हजार, सातवें दिन 45 लाख 10 हजार, आठवें दिन 57 लाख 20 हजार शिवभक्तों ने गंगाजल भरा। बुधवार को नौवें दिन 67 लाख कांवड़िए गंगाजल भरकर रवाना हुए। हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष लगाते हुए डाक कांवड़िए और पैदल कांवड़ लेकर शिवभक्त रवाना होते रहे।

शिवभक्त कंधे पर जल और डीजे पर बजने वाले भक्ति गीतों पर जमकर झूम रहे हैं। बाईपास भक्ति गीतों से गुंजायमान होने के साथ ही भगवामय नजर आ रहा है। दिल्ली से हरिद्वार जाने वाले कांवड़ियों की भीड़ भी बढ़ गई है। इसे देखते हुए पुलिस ने नगला इमरती से होते हुए लक्सर से हरिद्वार इन वाहनों को गुजार रही है। कांवड़ मेले के तीन दिन शेष बचे हैं। लाखों डाक कांवड़ियों का रैला हरिद्वार में पहुंच चुका है। अभी हाईवे की एक पूरी साइड डाक कांवड़ियों के हवाले हैं। डाक कांवड़ियों की भीड़ को संभालते हुए आगे भेजना चुनौती भरा रहेगा। ऐसे में मेले के तीन दिन तक पुलिस की अग्निपरीक्षा होगी।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने आपदा कन्ट्रोल रूम में आपदा राहत कार्यों की समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

14 जुलाई : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश में अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति और आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।मुख्यमंत्री ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सुनिश्चित कर लिया जाय कि प्रभावितों को रहने खाने एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पूर्ण उपलब्धता हो।फूड पैकेट की पर्याप्त उपलब्धता रखी जाए। पेयजल के साथ ही बच्चों को दूध की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। आवश्यकता पड़ने पर हेलीकाप्टर से भी खाद्य सामग्री भेजी जाए।

जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी जल्द की जाए। जल जनित रोगों से बचाव के लिए भी सभी आवश्यक व्यस्थाएं की जाय।

सभी संबंधित विभाग प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन कर लें। बारिश से पेयजल, विद्युत, सड़क एवं अन्य व्यवस्थाएं जो प्रभावित हुए हैं, उन्हें शीघ्र सुचारू किया जाय। सभी विभागीय सचिव अपने अपने विभागों से संबंधित व्यवस्थाएं देखें और अपने जिला स्तरीय अधिकारियों के निरंतर संपर्क में रहें। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के साथ ही उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग से भी लगातार संपर्क में रहें।मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत कार्यों के लिए पर्याप्त बजट है। संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाएगी।इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. एस. एस संधू, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, सचिव आपदा प्रबन्धन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, विनय शंकर पांडेय, विभिन्न विभागों के सचिव, अपर सचिव एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

- **प्रभावितों के लिए सभी जरुरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**
- **जल जनित रोगों से बचाव के प्रबंध भी कर लिए जाएं**
- **सभी सचिव अपने विभागों से संबंधित कार्य योजना बनाए और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें**

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार, ऋषिकेश गंगा कोरिडोर जल्द बनाने के दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राज्य के विभिन्न शहरों में नवीन टाउनशिप विकसित किये जाने के सबंध में बैठक ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कोरिडोर बनाने की कार्यवही शीघ्र शुरू की जाए। इसके क्रियान्वयन के लिए बनाये जाने वाली कम्पनी के लिए भी शीघ्र कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्टूबर 2026 तक हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कोरिडोर का सम्पूर्ण कार्य पूर्ण हो यह सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में मैदानी क्षेत्रों में 05 एवं पर्वतीय क्षेत्रों में 03 टाउनशिप विकसित किये जाने की दिशा में भी तेजी से कार्य किये जाएं। गढ़वाल एवं कुमाऊँ क्षेत्र में एक-एक हिल स्टेशन विकसित किये जाने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को भी शीघ्र अन्तिम रूप दिया जाए। बैठक में शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द वर्धन, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, दिलीप जावलकर, विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन पाण्डेय, वी. षणमुगम, उपाध्यक्ष एम.डी.डी.ए बंशीधर तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तनाव और पानी की कमी से भी हो सकता है सिरदर्द

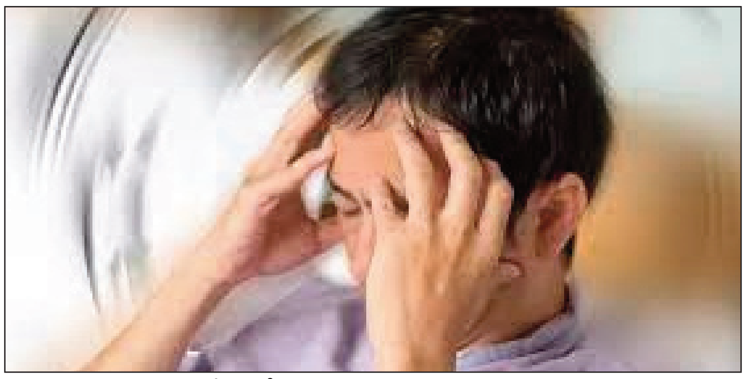

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 जुलाई , क्या आप भी सरदर्द से परेशान रहते हैं ? क्या दवाओं का कोई असर नहीं होता है ? तो हमारी ये खबर पढ़िए क्योंकि आंकड़े बताते हैं कि करीब 35 फीसदी सिरदर्द के मामले तनाव से जुड़े होते हैं। हर बार डॉक्टर के पास जाना जरूरी नहीं होता। पर, जब दर्द असहनीय हो, फैलकर जबड़े, कंधे और बाजुओं तक जाने लगे तो सावधान होना जरूरी है।

इन वजहों से होता है सिरदर्द

हमारे सिर के भीतर, दर्द संवेदी संरचनाओं का एक जाल होता है, जिसमें किसी प्रकार की चोट या दबाव पड़ने पर सिरदर्द होने लगता है। वैसे, शरीर में पानी की कमी, आंख या गर्दन पर अधिक दबाव, नींद पूरी न होना और दर्द निवारक दवाएं अधिक खाने से भी सिर दर्द हो सकता है।

पहचानें लक्षण

हल्के सिरदर्द में आंखों और भंवों के ऊपर वाले हिस्से में या फिर सिर के दोनों तरफ दबाव या खिंचाव महसूस होता है। यह दर्द कई बार सिर के पिछले हिस्से व गर्दन में भी फैलने लगता है। आमतौर पर ऐसा दर्द तनाव बढ़ने पर होता है। क्लस्टर सिरदर्द में आंख और नाक से पानी आने के साथ-साथ सूजन और आंखें लाल होने लगती हैं। माइग्रेन में तेज दर्द के साथ उल्टी जैसा महसूस होता है। तेज आवाज और रोशनी में यह दर्द और बढ़ जाता है। वहीं रिबाउंड सिरदर्द में नींद न आना, नाक बंद होना, गर्दन में दर्द व बेचैनी जैसे लक्षण दिखते हैं। वहीं एक्यूट साइनेसाइटिस की वजह से होने वाले सिरदर्द में तेज बुखार, थकान, कानों में दबाव और सूंघने की क्षमता प्रभावित होती है। पीरियड्स में हार्मोन्स में उतार-चढ़ाव से भी सिरदर्द हो सकता है।

ये स्थितियां भी हैं गंभीर

उच्च रक्तचाप की समस्या सिरदर्द को बढ़ाने का काम करती है। गले-नाक और कान में किसी प्रकार का संक्रमण होने पर भी सिरदर्द हो सकता है, जिसका पता डॉक्टरी जांच से लगता है। कुछ स्थितियों में डॉक्टर एमआरआई या सिटी स्कैन कराने की सलाह भी देते हैं, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके।

अगर नहीं अपनाएं ये 6 तरीके तो हो जाएगा सोशल मीडिया अकाउंट हैक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 जुलाई , इन दिनों एफबी , ट्विटर , इंस्टा और अन्य प्लेटफॉर्म का हैक हो जाना मुश्किल नहीं है लेकिन अगर आप सोच रहे हैं कि कभी आप ऐसी स्थिति में फंस गए तो फिर क्या होगा तो हम आपको इसका समाधान बता रहे हैं। जी हां, हम आपको ऐसी स्थिति से बचने के लिए कुछ खास टिप्स दे रहे हैं जिससे आप अपना सोशल मीडिया अकाउंट सुरक्षित कर सकते हैं।टू-स्टेप वेरिफिकेशनः अकाउंट की सेफ्टी के लिए आपको सबसे पहले तो टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के जरिए सेफ्टी करना जरूरी होता है।

किसी अकाउंट में साइन इन करते समय आपको टेक्स्ट मैसेज, मेल, फोन कॉल के जरिए पहचान 2 बार वेरीफाई करनी होगी। अगर आपने पहले से यह नहीं किया हुआ है तो आप सभी ऑनलाइन अकाउंट को इसके लिए इनेबल कर सकते हैं।मोबाइल ऐप्स को अप-टू-डेट रखेंः हमेशा मोबाइल ऐप्स को अपडेट रखना चाहिए। इससे आपके फोन की सुरक्षा ज्यादा बढ़ जाती है। ऐप डेवलपर हमेशा ऐप्स को नए खतरों से अपडेट और सेफ रखने के लिए कुछ न कुछ नया करते रहते हैं। ऐसे में आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप हमेशा ऐप का लेटेस्ट वर्जन इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे आप हैकर्स को ऐप के जरिए फोन तक पहुंचने का मौका नहीं देते हैं।

पब्लिक नेटवर्क पर सेफ्टी का ध्यान देंः अगर आप कॉफी शॉप में फ्री वाई-फाई एक्सेस करते हैं, या बाहर मौजूद फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको ज्यादा ध्यान देना जरूरी है। हम में से अधिकतर लोगों को फ्री वाई-फाई इस्तेमाल करना पसंद है, लेकिन आपको इसके नुकसान को भी जानना जरूरी है। जब भी ओपन नेटवर्क की बात होती है तो उसका इस्तेमाल सभी कर सकते हैं। ऐसे में खतरा होने की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे में जब तक बहुत ज्यादा जरूरी न हो तब तक किसी भी ओपन नेटवर्क का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। या फिर जरूर पड़े तो इस दौरान कनेक्ट होने पर निजी अकाउंट को लॉगइन नहीं करना चाहिए।सोशल मीडिया के लिए अलग से ईमेल रखेंः सबसे पहले आपको यह ध्यान देना चाहिए कि आपका हर अटैक से सुरक्षित नहीं रह सकते हैं। मान लें कि आपका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो गया और हैकर्स ने आपके ईमेल से छेड़छाड़ की है। अगर आप सोशल मीडिया के लिए अलग ईमेल इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में हैकर्स के पास आपकी निजी जानकारी जैसे बैंक डीटेल, पर्सनल ईमेल आदि नहीं पहुंच पाएंगी। इस प्रकार की चीजों को इस्तेमाल करके आप ऑनलाइन सेफ्टी कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं, आपके लविंग पेट्स भी दे सकते हैं आपको कई तरह की बीमारियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जुलाई : अगर आपके घर में भी कुत्ता, बिल्ली, तोता, खरगोश, गाय या बकरी है, तो आपको जानना जरूरी है कि ये पेट्स भी ऐसे कई तरह के ऐसे वायरस, बैक्टीरिया कैरी करते हैं, जो मनुष्यों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। इन इन्फेक्शन से होने वाले छोटे-मोटे लक्षणों को लोग कई बार नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर रूप ले सकता है। आइए जानते हैं कि आपके पालतू जानवरों से किस प्रकार की बीमारियां हो सकती है।घर में रहने वाले पेट्स से लोगों को इतना लगाव हो जाता है कि वो उसे आराम से अपने साथ खाना खिलाते हैं, अपने बिस्तर पर सुलाते हैं और उनके चाटने से भी उन्हें कोई प्रॉब्लम नहीं होती।

बेशक ये आपका पशु-प्रेम दिखाता है, लेकिन आपकी ये आदतें कई गंभीर बीमारियों की वजहें भी बन सकती हैं, जिनमें से कुछ तो जानलेवा भी साबित हो सकती हैं।कुत्ते के काटने से रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी हो सकती है। इंसान के लिए खतरनाक ये विषाणु जीव-जंतुओं के पेशाब के जरिए बाहर निकलते रहते हैं। यह मनुष्य की कटी-फटी, छिली या गली हुई स्किन के जरिए शरीर में प्रवेश कर जाते हैं।

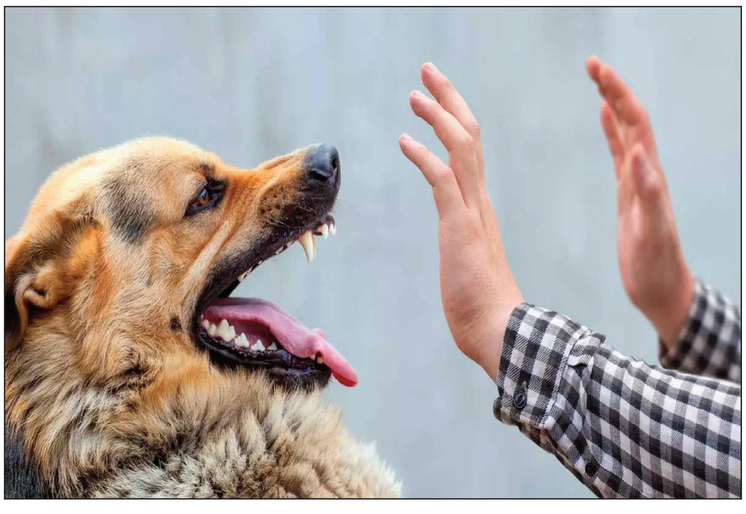

लेप्टोस्पायरोसिस वायरस जानवरों के मल-मूत्र से फैलता है। ये वायरस इंसानों के शरीर में इन्फेक्टेड पानी पीने से, इन्फेक्टेड खाना खाने, आंख, मुंह और नाक के साथ चोट लगे हुए अंग पर तेजी से फैलता है। जब किसी की स्किन इन्फेक्टेड मिट्टी के संपर्क में आती है, तब यह शरीर में सीधे प्रवेश कर सकता है। यह रोग सीधे किडनी और लीवर को प्रभावित करता है। इस बात की भी संभावना बनी रहती है कि लेप्टोस्पायरोसिस वायरस अंदरूनी ब्लीडिंग के कारण मरीज की जान भी ले ले। अधिकांश पालूत जानवरों के मल में कैंफिलोबैक्टर बैक्टीरिया होते हैं। ये बैक्टीरिया इन पशुओं के त्वचा और बालों के जिए इंसानों में इन्फेक्शन फैलाने का काम करते हैं। जब हमारे शरीर में ये बैक्टीरिया पहुंचते हैं, तो फेफड़ों में तेज दर्द, दस्त और अचानक बुखार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

इन आदतों की वजह से आ सकती है दोस्ती में दरार, कहीं आप भी नहीं करते ऐसा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जुलाई : दोस्ती का रिश्ता हर किसी के लिए बहुत ही खास होता है। वो दोस्त ही तो होते हैं, जिनसे आप अपनी हर एक बात दिल खोलकर, बिंदास होकर शेयर कर सकते हैं। इस चीज का पूरा यकीन होता है कि दोस्त आपको किसी भी बात पर जज नहीं करेंगे, लेकिन दोस्ती के कुछ अपने रूल्स भी होते हैं, जिन्हें इस रिश्ते में नजर अंदाज करना दोस्ती में दूरियों की वजह बन सकता है। तो कौन सी हैं वो आदतें, जो दोस्ती के रिश्ते में ला सकती हैं कड़वाहट, जान लें यहां। दोस्ती का सबसे पहला रूल होता है कि न आप अपने दोस्त की बुराई करेंगे और न ही कोई और करे तो आपको सुनना चाहिए। अगर आपको आपके दोस्त की कोई आदत अच्छी नहीं लगती, तो उसके मुंह पर बोलें, पीठ पीछे बात करने की आदत छोड़ दें। सोचिए आपकी इस आदत से दोस्त को कितनी ठेस पहुंचेगी। ऑफिस, कॉलेज या घर के आसपास कोई आपका सच्चा दोस्त है, तो उससे झूठ बोलने की गलती न करें। ऐसे में जब आपके दोस्त को सच्चाई पता लगती है, तो उसे दुख पहुंचता है और यहीं से दोस्ती का रिश्ते में दरार आने लगती है। दोस्ती में बिंदास होकर सच बोलना चाहिए क्योंकि दोस्त आपको जज नहीं करते, उल्टा आपका साथ देते हैं।

हां, वैसे तो दोस्ती में मौज-मस्ती, एक-दूसरे की टांग खिंचने का सिलसिला चलता रहता है, लेकिन कई बार ये मौज-मस्ती एक-दूसरे को नीच दिखाने में तब्दील हो जाती है। दोस्ती में अगर कोई एक दूसरे को किसी को नीचा दिखाने की कोशिश करता है, तो साफ है कि ये दोस्ती लंबे समय तक नहीं चलने वाली। अगर आपका दोस्त आपको अपना अजीज समझकर कुछ पर्सनल बातें शेयर करता है, तो उसे अपने तक ही रखें, लेकिन कई बार जानबूझकर, तो कभी मस्ती या शरारत में हम वो बातें दूसरों से शेयर कर देते हैं। ये आदत बहुत ही खराब होती है और ये दोस्ती टूटने की एक बड़ी वजह हो सकती है।

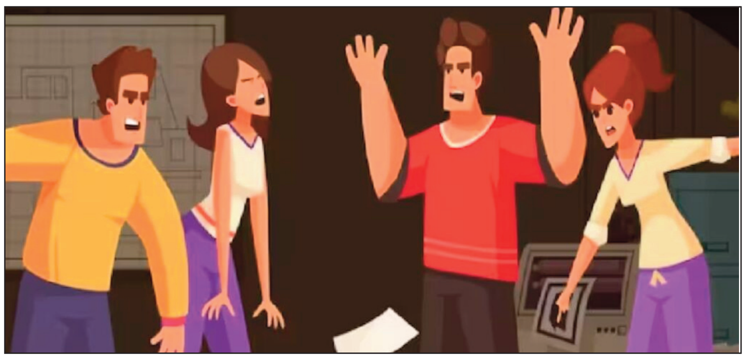

मुख्यमंत्री ने किया लक्सर क्षेत्र के जलभराव वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण

- रेस्क्यू बोट एवं ट्रेक्टर पर बैठकर लिया स्थिति का जायजा, प्रभावितों का जाना हाल-चाल
- अधिकारियों को दिये प्रभावितों से राहत पहुंचाने के निर्देश
- सोनाली नदी के फ्लड मैनेजमेंट प्लान बनाने के दिये निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 14 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को जनपद हरिद्वार की तहसील लक्सर के विभिन्न क्षेत्रों-लक्सर बजार मदारपुर, शाहपुर बस्ती, प्रहलादपुर, हस्तमौली में अतिवृष्टि एवं सोनाली नदी के कारण हुये जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों का रेस्क्यू बोट एवं ट्रैक्टर में बैठकर स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने प्रभावितों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा राहत एवं बचाव कार्यों के सम्बन्ध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने लक्सर क्षेत्र में सोनाली एवं अन्य नदियों से होने वाले जल भराव की स्थिति के प्रभावी रोकथाम के लिये फ्लड मैनेजमेंट प्लान तैयार करने के भी निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने और प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ये सुनिश्चित कर लिया जाय कि प्रभावितों को रहने खाने एवं अन्य आवश्यक सामग्री की पूर्ण उपलब्धता हो। पेयजल के साथ ही बच्चों को दूध की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी की निकासी जल्द की जाए। जल जनित रोगों से बचाव के लिए भी सभी आवश्यक व्यस्थाएं की जाय।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि बारिश से पेयजल, विद्युत, सड़क एवं अन्य व्यवस्थाएं जो प्रभावित हुयी हैं, उन्हें शीघ्र सुचारू किया जाय। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के साथ ही उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। निरीक्षण के दौरान पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, सचिव मुख्यमंत्री विनय शंकर पाण्डेय, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिका-रीगण उपस्थित थे।

कोटद्वार मालन नदी पर बना पुल टूटा 50 हजार की आबादी से संपर्क कटा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 14 जुलाई : हरिद्वार में कई दिनों से हो रही बारिश के बाद भी हर तरफ बम-बम भोले की गूंज और दूर-दूर तक कांवड़ियों का रेला उमड़ रहा है। पूरा शहर भगवामय नजर आ रहा है। शिवभक्त बारिश के बीच लगातार अपने गंतव्य की ओर से बढ़ रहे हैं। डाक कांवड़ शुरू होने के बाद बड़ी संख्या में कांवड़िए हरिद्वार पहुंचे हैं। भारी भीड़ से बिरला पुल और चंडी घाट के बीच भगदड़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। हरकी पैड़ी और आस-पास के क्षेत्रों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। वहीं, कांवड़िये हाईवे से होते हुए दोपहिया वाहन वाले कांवड़िये शहर के अंदर आने का प्रयास करते हैं। जिसको लेकर पुल जटवाड़ा, सिंहद्वार चौक, प्रेमनगर आश्रम चौक, ऋषिकुल, शंकराचार्य चौक, पंतद्वीप, खड़खड़ी सूखी नदी, डाम कोठी आदि स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। जिन पर कांवड़ियों को रोक दिया जा रहा है।

उन्हें शहर के अंदर नहीं घुसने दिया जा रहा है जबकि स्थानीय लोगों को वाहनों के नंबर देखकर अंदर भेजा जा रहा है। गुरुवार को धर्मनगरी में डाक कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। अब तक ढाई करोड़ से ज्यादा कांवड़िये गंगाजल भरकर रवाना हो चुके हैं। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक पहले दिन पहले दिन एक लाख 10 हजार, दूसरे दिन 8 लाख 50 लाख, तीसरे 10 लाख 50 हजार, चौथे दिन 15 लाख 20 हजार पांचवें दिन 22 लाख 25 हजार, छठे दिन 32 लाख 40 हजार, सातवें दिन 45 लाख 10 हजार, आठवें दिन 57 लाख 20 हजार शिवभक्तों ने गंगाजल भरा। बुधवार को नौवें दिन 67 लाख कांवड़िए गंगाजल भरकर रवाना हुए। हर-हर महादेव, बम-बम भोले के जयघोष लगाते हुए डाक कांवड़िए और पैदल कांवड़ लेकर शिवभक्त रवाना होते रहे।

शिवभक्त कंधे पर जल और डीजे पर बजने वाले भक्ति गीतों पर जमकर झूम रहे हैं। बाईपास भक्ति गीतों से गुंजायमान होने के साथ ही भगवामय नजर आ रहा है। दिल्ली से हरिद्वार जाने वाले कांवड़ियों की भीड़ भी बढ़ गई है। इसे देखते हुए पुलिस ने नगला इमरती से होते हुए लक्सर से हरिद्वार इन वाहनों को गुजार रही है। कांवड़ मेले के तीन दिन शेष बचे हैं। लाखों डाक कांवड़ियों का रैला हरिद्वार में पहुंच चुका है। अभी हाईवे की एक पूरी साइड डाक कांवड़ियों के हवाले हैं। डाक कांवड़ियों की भीड़ को संभालते हुए आगे भेजना चुनौती भरा रहेगा। ऐसे में मेले के तीन दिन तक पुलिस की अग्निपरीक्षा होगी।

सीबीआई जांच ना करा कर सफेदपोशों को बचा रही है सरकार : भुवन कापड़ी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 जुलाई , भुवन कापड़ी उपनेता सदन ने आरोप लगते हुए कहा है कि अधीनस्थ चयन आयोग भर्ती घोटाले में सरकार द्वारा दिए गए जवाब से माननीय न्यायालय संतुष्ट नहीं है इससे स्पष्ट होता है कि सरकार द्वारा प्रदेश में हुए महा भर्ती घोटाले की जांच निष्पक्ष रुप से नहीं कराई गई है आयोग में भर्ती घोटाले के तार देश के कई राज्यों से जुड़े हुए हैं इसीलिए बार-बार प्रदेश कांग्रेस एवं प्रदेश के युवा मांग कर रहे हैं कि सभी भर्तियों की जांच सीबीआई से कराई जाए परंतु सरकार निरंतर इस मांग को ना मानकर सच को सामने नहीं आने देना चाहती है।

भुवन कापड़ी उपनेता सदन ने कहा कि जहां प्रदेश के युवाओं पर बर्बरता से लाठीचार्ज किया गया उनको सरकार द्वारा जेल भेजा गया अभी तक भी उस मामले में दोषी लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है सरकार पहले दिन से ही पूरे मामले में लीपापोती का काम कर रही है जबकि प्रदेश का युवा निरंतर सीबीआई जांच की मांग कर रहा है क्योंकि एसटीएफ की जांच का दायरा सीमित है। यही कारण है कि इस प्रकरण में पकड़े हुए सभी अपराधी धीरे-धीरे एक एक कर कर साक्ष्यों के अभाव में छूट रहे हैं सरकार द्वारा आनन-फानन में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया आज साक्ष्यों के अभाव में उनका छूट जाना यह साफ दर्शाता है कि इस मामले में सरकार द्वारा जल्दी बाजी की गई। कापड़ी कहते हैं कि अब सरकार को राजधर्म का पालन करते हुए इस प्रदेश के युवाओं के भविष्य को जिन लोगों ने बर्बाद किया उनको सलाखों के पीछे भेजने के लिए इस मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई द्वारा करानी होगी अभी तक इस प्रकरण में छोटी-छोटी मछलियां पकड़ी गई है सरकार को मुख्य साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार करने के लिए इस मामले की जांच सीबीआई से करानी होगी तब जाकर प्रदेश के युवाओं को न्याय मिलेगा और शहीदों का उत्तराखंड जिसकी परिकल्पना इस प्रदेश को बनाने के लिए शहादत देने वालों ने की थी उनकी शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकेगी।

पेड़ और बिजली के खंबे गिरने से टिहरी-देवप्रयाग सडक़ बंद

नई टिहरी। टिहरी-देवप्रयाग मार्ग पर महड़ गांव के निकट बिजली के पोलों व पेड़ों के साथ आये भारी मलबे से वाहनों की आवाजाही थम गयी। लोनिवि की ओर से जेसीबी मशीन लगाकर करीब चार घंटे में यहां टिहरी देवप्रयाग मार्ग सुचारु किया गया। मलबे से साथ बिजली के पोलों व तारों के टूटने से महड गांव की बिजली आपूर्ति बंद हो गयी व पैदल रास्ता भी ध्वस्त हो गया। वहीं उप गांव पौखाल की सडक़ भी ध्वस्त होने से ग्रामीण को चारा पत्ती, लकड़ी की भी मुश्किलें बढ़ गईं। वहीं तहसील नैनबाग के अंतर्गत क्षेत्र की कई सडक़ें बंद होने से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। मसोन-जयद्वार-द्वारागढ मोटर मार्ग 3 दिनों से अवरुद्ध होने से काश्तकारों की नकदी फसल मंडी व नैनबाग बाजार तक न पहुंचने पर भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कास्तकार शरण सिंह पंवार, गम्भीर सिंह, सुमन लाल बहुगुणा, जनार्दन बिजल्वाण, मोहनलाल बहुगुणा आदि का कहना है कि, बीते तीन दिन से मोटर बंद होने से फसल बाजार तक न पंहुचने से कास्तकारों को भारी आथिक नुकशान हो रहा है। उधर लोनिवि के ईई लोकेश का कहना है कि, सडक़ चौड़ीकरण के चलते नई कंटिग से आए मलबे को मलबा साफ किया जा रहा है। जेसीबी मशीन सडक़ों को खोलने का कार्य तेजी से कर रही हैं। कल(आज) दोपहर तक मोटर को मार्ग को खोल दिया जायेगा।

पेड़ और बिजली के खंबे गिरने से टिहरी-देवप्रयाग सडक़ बंद

नई टिहरी। टिहरी-देवप्रयाग मार्ग पर महड़ गांव के निकट बिजली के पोलों व पेड़ों के साथ आये भारी मलबे से वाहनों की आवाजाही थम गयी। लोनिवि की ओर से जेसीबी मशीन लगाकर करीब चार घंटे में यहां टिहरी देवप्रयाग मार्ग सुचारु किया गया। मलबे से साथ बिजली के पोलों व तारों के टूटने से महड गांव की बिजली आपूर्ति बंद हो गयी व पैदल रास्ता भी ध्वस्त हो गया। वहीं उप गांव पौखाल की सडक़ भी ध्वस्त होने से ग्रामीण को चारा पत्ती, लकड़ी की भी मुश्किलें बढ़ गईं।

क्षेत्र पंचायत जखोली की बैठक 31 जुलाई को

रुद्रप्रयाग। क्षेत्र पंचायत जखोली की बैठक अब 31 जुलाई को प्रात 11 बजे से ब्लाक सभागार में क्षेत्र पंचायत प्रमुख प्रदीप थपलियाल की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। खण्ड विकास अधिकारी दिनेश मैठाणी ने विज्ञप्ति में बताया है कि 14 जुलाई को आयोजित क्षेत्र पंचायत जखोली की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर 31 जुलाई को क्षेत्र पंचायत प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में यह बैठक 14 जुलाई को प्रस्तावित थी, किन्तु अपरिहार्य कारणों से बैठक स्थगित कर अब 31 जुलाई को ब्लाक प्रमुख प्रदीप थपलियाल की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। उन्होंने बताया कि बीडीसी बैठक से पूर्व 28 जुलाई को क्षेत्र पंचायत की उप समितियों की बैठक आयोजित की जायेगी। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों एवं सभी विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

देहरादून : 25 जुलाई से शुरू हो सकती है, देहरादून-पिथौरागढ़ के बीच उड़ान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जुलाई : देहरादून-पिथौरागढ़ के बीच सीधी हवाई सेवा शुरू करने के लिए विमानन कंपनी फ्लाई बिग औपचारिकता पूरी करने में जुटी है। फ्लाइट के संचालन को लेकर डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) की टीम ने बीते दिन जौलीग्रांट एयरपोर्ट का दौरा किया है। डीजीसीए की अनुमति मिलने के बाद 25 जुलाई से यह उड़ान शुरू हो सकती है। हालांकि इसमें खराब मौसम बाधा बन सकता है।

दरअसल, फ्लाई बिग पहली बार देहरादून एयरपोर्ट से अपनी उड़ान शुरू करने जा रही है। इसके लिए एयरपोर्ट पर कंपनी की तरफ से जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। कंपनी का 17 सीटर विमान 30 जून को ही एयरपोर्ट पहुंच चुका है। कंपनी ने एयरपोर्ट पर अपना सेटअप भी लगभग बना लिया है। इस सेटअप को डीजीसीए की अनुमति की जरूरत है। इसके लिए डीसीजीए की टीम जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर एक बार दौरा कर कंपनी के सेटअप का जायजा ले चुकी है (कुछ दिनों से टीम जौलीग्रांट में ही थी, जो की बीते दिन चली गई। अब इंजीनियरिंग ऑडिट के लिए जल्द ही दोबारा टीम एयरपोर्ट आ सकती है। उम्मीद की जा रही है कि दस दिन में सभी विमान की जांच, इंजीनियरिंग सेटअप और जरूरी दस्तावेजों की जांच आदि सभी औपचारिकताएं पूरी कर फ्लाइट शुरू कर दी जाएगी। हालांकि फ्लाइट संचालन में खराब मौसम बाधा बन सकता है। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार फ्लाई बिग देहरादून-पिथौरागढ़-पंतनगर के बीच फ्लाइट संचालित करेगी। यह विमान देहरादून से पिथौरागढ़ जाएगा। फिर वहां से पंतनगर पहुंचेगा। यहां से पिथौरागढ़ होते हुए देहरादून आएगा। फिलहाल डीजीसीए की अनुमति नहीं मिलने के कारण कंपनी ने बुकिंग शुरू नहीं की है।

आगरा से मसूरी पहुंच गया ऑटो, वो भी 7 सवारियों के साथ, कैसे पार किए चेक पोस्ट ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जुलाई : उत्तराखंड पुलिस सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होने के दावे करते नहीं थकती, लेकिन ये दावे हकीकत की जमीन पर कहीं नहीं टिकते। मामला मसूरी का है, जहां यूपी का एक थ्री-व्हीलर तमाम सुरक्षा बैरियर्स को धता बताते हुए कैंपटी फॉल पहुंच गया। मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि मसूरी में ऑटो की एंट्री पर रोक है, और ये ऑटो उत्तराखंड के किसी इलाके से नहीं नहीं बल्कि यूपी से सवारियां लेकर आया था। ऑटो न सिर्फ गैर कानूनी तरीके से उत्तराखंड में दाखिल हुआ, बल्कि ओवरलोडेड भी था। ऑटो में 7 सवारियां बैठी थीं।

देहरादून से मसूरी के कैंपटी फॉल तक करीब एक दर्जन चेक पोस्ट हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि किसी भी चेकपोस्ट पर इस ऑटो को रोका नहीं गया। कैंपटी फॉल के लोग अपने इलाके में ऑटो देखकर हैरान थे, कई लोगों ने ऑटो के साथ फोटो भी खिंचवाई और सवारी भी की। ऑटो ने जितने आराम से शहर में एंट्री की थी, उतनी ही शान से वापस भी लौट गया।ऑटो के फोटो-वीडियो वायरल होने के बाद अब पुलिस महकमे मामले में कार्रवाई की बात कह रहा है। बताया जा रहा है कि ऑटो पर यूपी की नंबर प्लेट लगी थी। आगरा का यह ऑटो पहले देहरादून और फिर मसूरी पहुंचा।

हैरानी की बात ये है कि रास्ते में कई चेक पोस्ट होने के बाद भी किसी ने दून-मसूरी रूट पर इस ऑटो की एंट्री नोट नहीं की। घटना 10 जुलाई की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह दस बजे उन्होंने ऑटो को कैंपटी फॉल के पास देखा। हर किसी के मन में यही सवाल था कि ऑटो यहां तक कैसे पहुंचा, क्योंकि मसूरी में ऑटो की एंट्री बैन है। ऑटो में सवार लोग मसूरी घूमने के बाद देहरादून वापस लौट गए। ये मामला सुरक्षा में चूक से जुड़ा है। एसपी ट्रैफिक अक्षय कोंडे ने कहा कि मामले में ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की जाएगी। मसूरी ट्रैफिक पुलिस से घटना की जानकारी जुटाई जा रही है।

17 जुलाई से इन 4 राशि वालों के नसीब खुल जायेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 जुलाई , सूर्य का राशि परिवर्तन 17 जुलाई को होने जा रहा है. सूर्य देव मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश करेंगे. कर्क राशि में सूर्य का गोचर 17 जुलाई सोमवार को सुबह 05 बजकर 19 मिनट पर होगा. कर्क राशि में आने से सूर्य की कर्क संक्रांति होगी. इस दिन से सूर्य दक्षिणायन होते हैं. सूर्य देव कर्क राशि में एक माह तक रहेंगे. फिर 17 अगस्त को दोपहर में 01 बजकर 44 मिनट पर राशि परिवर्तन करेंगे. उस दिन कर्क से निकलकर सिंह राशि में सूर्य का गोचर होगा. सूर्य के कर्क राशि में गोचर करने से सभी 12 राशियों पर शुभ या अशुभ प्रभाव हो सकता है. लेकिन सूर्य का गोचर 4 राशि के जातकों की लॉटरी लगा सकता है. उनको धन, पद और प्रतिष्ठा दिला सकता है.

सूर्य गोचर 2023 राशियों पर सकारात्मक प्रभाव

मेषः सूर्य का गोचर आपकी राशि के जातकों का भाग्य बदलने वाला साबित हो सकता है. नौकरीपेशा लोगों के पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है. प्रमोशन मिलने से पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. एक महीने में आपको कोई खुशखबर भी मिल सकती है. शिक्षा प्रतियोगिता से जुड़े हुए लोग मेहनत करना न छोड़ें. आपके लिए अनुकूल समय आ रहा है. सफलता प्राप्ति की पूरी संभावना है. आप अपना लक्ष्य हासिल करने में सफल हो सकते हैं.

मिथुनः कर्क में सूर्य का गोचर आपके लिए लॉटरी लगने जैसा हो सकता है क्योंकि आपको प्रमोशन मिलने का योग है. बिजनेस से जुड़े जातकों को मुनाफा कमाने और निवेश से बड़ा धन लाभ हो सकता है. इस समय में आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर हो सकती है. आपको किस्मत का साथ मिलेगा, इस वजह से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. जल में लाल चंदन और गुड़ मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया करें.

कर्कः सूर्य का राशि परिवर्तन आपकी राशि में ही हो रहा है, इसलिए आप पर इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई देगा. नौकरीपेशा लोगों को नई जॉब मिल सकती है, मौजूदा नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है. इसके कारण आपकी आय बढ़ सकती है. स्वास्थ्य में पहले से सुधार होगा. बिजनेस करने वाले लोग अपने काम को बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं. दूसरों की मदद से लाभ के अवसर मिल सकते हैं. जो लोग अभी तक सिंगल हैं, उनको कोई खुशखबर मिल सकती है.

तुलाः सूर्य का गोचर होने से आप अपने लिए कोई नया वाहन खरीद सकते हैं. नौकरी करने वालों लोगों की सैलरी में वृद्धि हो सकती है. व्यापारी वर्ग के लिए यह समय बहुत ही अच्छा साबित हो सकता है क्योंकि किया गया निवेश फायदा पहुंचा सकता है. आपका बिजनेस और आगे बढ़ सकता है. धन लाभ के योग बनेंगे और आप चुनौतियों से निपटने में सफल होंगे.

क्रिएटिव लोग अकेलेपन में करते है कुछ नया प्रयोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 जुलाई , एकाकी होने पर जहां बहुत से लोग बोर और परेशान हो जाते हैं तो रचनात्मक लोग अपने ही कल्पना लोक में विचरण करने लगते हैं। वे अपने दिमाग को कुछ सकारात्मक करने और सृजन की दिशा में दौड़ाते हैं। एरिजोना यूनिवर्सिटी की न्यूरो वैज्ञानिक जेसिका एंड्र्यूज हाना के मुताबिक लोग किस तरह से सोचते हैं, यह समझना स्वास्थ्य और तंदरुस्ती को बेहतर बनाने की दिशा में हमें कदम उठाने का अवसर देगा।

2 हजार लोगों पर स्टडी हुई

एरिजोना, अरकांसास और मिनेसोटा यूनिवर्सिटी के मनोवैज्ञानिकों ने 2000 लोगों पर एक सर्वे में यह जानने की कोशिश की है कि जब लोगों के पास करने को कुछ खास नहीं होता तो किस तरह से वे रचनात्मक बने रहते हैं। रिसर्चर्स ने 90 लोगों को बिना किसी डिजिटल डिवाइस के 10 मिनट तक कमरे में अकेले रखा और उसके बाद उनके दिमाग में जो भी विचार आए उनको खुलकर बयान करने को कहा। एक अन्य टेस्ट में सौ रबर बैंड से कैसे पैसे कमाएं? जैसे सवालों के कुछ आउट आफ बॉक्स समाधान भी रिसर्चर को प्राप्त हुए।

मनोविज्ञान की शोध छात्रा क्वेंटिन राफेली के मुताबिक जहां कई भागीदारों में असंबद्ध विचारों के बीच भटकने की प्रवृत्ति थी तो रचनात्मक लोगों के ज्यादा संबद्ध तरीके से सोचने के संकेत मिले। उन्होंने अधिक सुगठित और बेहतर तरीके से अपने विचार जाहिर किए। रचनात्मक लोग अलगाव के दौरान बोर नहीं हुए और क्रिएटिव बने रहे।

विचारों के साथ समय बिताने का मौका हाथ से जाने न दें

मनोवैज्ञानिक हाना का कहना है कि आज के व्यस्त और डिजिटल समाज में बिना बाधा के अपने विचारों के साथ अकेले रहने का वक्त बहुत दुर्लभ हो गया है। लेकिन काम के बोझ, डिजिटल डिवाइस की लत के बीच हमें किसी भी तरह अपने विचारों के साथ समय बिताना का और मौका निकालना चाहिए।

सावन में हाथों को सजाना है सिंपल, मेहंदी से इस तरह निकाले खूबसूरत डिजाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 14 जुलाई : सावन, इस शब्द को सुनने भर से एक अलग ही उमंग, उत्साह और आनंद का एहसास होता है। बारिश की हल्की फुहारें तन और मन भिगो देती हैं। बारिश के बाद प्रकृति की सुंदरता अपने चरम पर होती है। सावन माह से हमारे भारत में तीज-त्योहारों की भी शुरुआत हो जाती है। मतलब अगर सावन को साल का सबसे खुशगवार महीना कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। सावन माह में महिलाओं के श्रृंगार का भी खास महत्व होता है। हरे रंग की चूड़ियां, हरे रंग की साड़ी के साथ मेहंदी लगाने का भी बहुत महत्व होता है। जो न सिर्फ आपके हाथों की खूबसूरती बढ़ती है, बल्कि आपको अंदर से भी शीतलता प्रदान करती है।

इस माह में महिलाओं के बीच मेंहदी का ऐसा क्रेज देखने को मिलता है, तो बाजार में सबसे ज्यादा भीड़ मेंहदी आर्टिस्ट्स के पास ही नजर आती है। जो डिजाइन दिखाओ मिनटों में बनकर तैयार हो जाती है, लेकिन इस दौरान मेंहदी के रेट भी काफी हाई होते हैं, जिसे हर कोई अफोर्ड नहीं कर सकता। कई जगहों पर तो मेहंदी के डिजाइन के हिसाब से रेट फिक्स होते हैं, तो अगर आप खुद से मेंहदी नहीं लगवा सकती और फुल हैंड मेंहदी लगवाना आपके बजट से बाहर है,

तो हम आपके लिए ऐसे डिज़ाइन्स लेकर आए हैं, जो सिंपल होने के साथ खूबसूरत भी हैं, यहां दिए गए डिज़ाइन्स को आप हाथ के आगे या पीछे किसी भी हिस्से पर लगा सकती हैं। एक और खास बात कि थोड़ी-सी मेहनत कर आप खुद से ही ये डिज़ाइन्स लगा सकती हैं। मतलब पैसे भी बच जाएंगे और हाथों पर मेहंदी भी रच जाएगी।

मेंहदी का रंग गाढ़ा करने के उपाय- मेहंदी का रंग डार्क करने के लिए लगाने के बाद उस पर नींबू-चीनी का घोल कॉटन की मदद से लगाते रहें।- रंग गहरा चढ़ने के लिए मेहंदी को छुड़ाने के बाद हाथों पर सरसों का तेल लगाकर कुछ देर रखें। तुरंत पानी का इस्तेमाल न करें।- इसके अलावा तवे गर्म कर उस पर लौंग की कुछ कलियां रखें और इसके धुएं से हाथों को सेंके। इससे भी रंग गहरा चढ़ता है।

अल्मोड़ा : खाई में गिरी कार, शिक्षक की दर्दनाक मौत, दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 14 जुलाई : अल्मोड़ा के ज्योली के पास बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां एक कार खाई में गिरने से शिक्षक की जान चली गई है जबकि, कार सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। हादसे के वक्त महिलाएं कार से छिटकर बाहर गिर गई थीं. जिससे उनकी जान बच गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची राजस्व पुलिस ने कार में फंसे शिक्षक को बाहर निकाला और बेस अस्पताल भेजा।जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली गई जानकारी के मुताबिक, ज्योली प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और पूर्व सभासद सचिन टम्टा बीते दिन सुबह अपनी क्विड कार से विद्यालय गए। विद्यालय से लौटते समय जब वो ज्योली लिंक मार्ग के पास पहुंचे तो कार असंतुलित हो गई और सड़क छोड़ करीब सौ मीटर नीचे खाई में जा गिरी। कार में ज्योली

निवासी हेमा देवी पत्नी दया किशन और बस गांव की बचुली देवी पत्नी गोपाल सिंह सवार थे। कार के गिरते ही ये दोनों महिलाएं छिटक कर बाहर गिर गईं जबकि कार चालक सचिन टम्टा अंदर ही फंसे रह गए और कार के साथ खाई में जा गिरे। हादसे की सूचना पर फायर यूनिट और आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे सचिन टम्टा को बाहर निकालकर बेस अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. उनकी मौत की सूचना के बाद नगर समेत शिक्षक वर्ग में शोक की लहर है और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है।

पौड़ी : दिन हो या रात पौड़ी पुलिस आपके साथ, 09 माह की नन्ही बच्ची को परिजनों से मिलाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी पुलिस 14 जुलाई : दिनांक 12.07.2023 को डिजिटल खोया पाया केंद्र पर सूचना प्राप्त हुई की एक 9 माह की नन्ही भोली जो श्री नीलकंठ मन्दिर क्षेत्र में एक दुकान पर लगातार रो रही है, जिसके साथ कोई भी परिजन मौजूद नहीं है। जिस पर अपर पुलिस अधीक्षक शेखर चंद सुयाल द्वारा मामले में स्वयं संज्ञान लेते हुए मौके पर पहुंचकर छोटी बच्ची को अपनी गोदी में लेकर सुरक्षा की दृष्टि से ATS टीम नीलकंठ में नियुक्त महिला आरक्षी के साथ उक्त नन्हीं भोली को खोया पाया केंद्र श्री नीलकंठ भिजवाया गया। जहां पर पुलिस कर्मियों द्वारा उक्त बालिका के सम्बन्ध में अन्य खोया पाया केंद्रों को सूचित करते हुए बच्ची को 03 घंटे अपने पास रखा, जो काफी रो रही थी उसे चुप कराकर बिस्कुट खिलाया और ड्रॉपर से चाय पिलायी गयी। काफी ढूंढ खोज कर उक्त बालिका के परिजनों को खोज कर बालिका को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया।

■ परिजनों ने बिटिया को पाकर नम आँखों से जताया पौड़ी पुलिस का आभार।

घर में घुसा मलबा, बाहर गुजारी सारी रात

रुद्रप्रयाग। बीते तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के चलते कई गांवों में नुकसान हुआ है। अधिकांश जगहों पर पुश्ता, पेयजल लाइन, मकानों की दीवारें और खेत खलियानों को क्षति पहुंचने की खबरें हैं। मुख्यालय में कई जगहों पर पुश्ते, पेयजल लाइन और बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं।

मुख्यालय में अमसारी में प्रेमलाल के मकान के पीछे पुश्ता टूटने से बड़ी मात्रा में मलबा उनके घर में आया जिससे वह रातभर बाहर रहे। किसी तरह उन्होंने रात काटी। प्रेमलाल ने प्रशासन, आपदा प्रबंधन और सरकार से शीघ्र मौका मुआयना कर सुरक्षित स्थान पर रखने की मांग की है। साथ ही विस्थापन की मांग की। रुद्रप्रयाग मुख्य बाजार के ऊपरी क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा बना है। बीते दिन और रात यहां से बड़ी मात्रा में मलबा और पानी नीचे आया जिससे कई दुकानों को खतरा हो गया है। भूस्खलन से अमसारी, क्रिएटिव एकेडमी सहित आसपास के मकान एवं दुकानों को खतरा बना है। वहीं जयमंडी गदेरे के उफान पर आने से पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। यहां एक व्यक्ति के मकान पर पेड़ गिरा है, शुक्र रहा कि कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं अनूप नेगी मैमोरियल पब्लिक स्कूल परिसर का सडक़ मार्ग का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया हैं जिससे स्कूली बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल प्रशासन ने अवकाश घोषित किया। साथ ही स्कूल प्रबंधन ने शासन-प्रशासन एवं एनएच से शीघ्र पुश्ता निर्माण की मांग की ताकि स्कूल पहुंच मार्ग में सुरक्षित आवाजाही की जा सके। वहीं गुलाबराय भाणाधार में खत्री बेकर्स के समीप पुश्ता टूटने से विद्युत पोल को खतरा पैदा हो गया है। यहां कभी भी हादसा हो सकता है।

भटवाड़ी सैंण के पास दिनभर बंद रहा केदारनाथ हाईवे

रुद्रप्रयाग। बीते तीन दिनों से चल रही भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे भटवाड़ी सैंण सहित कई अन्य जगहों पर बंद रहा। एनएच द्वारा हाईवे खोलने का काम जारी रहा, किंतु दिनभर मलबा प्रभावित हाईवे पर आवाजाही नहीं हो सकी। हालांकि बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़ के पास दोपहर बाद खुल गया। इस दौरान यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लगातार हो रही बारिश कहर बनकर टूट रही है। गुरुवार को जनपद में केदारनाथ हाईवे भटवाड़ सैंण के साथ ही मुनकटिया में बंद रहा। जबकि तरसाली और अन्य जगहों पर भी मलबा आता रहा। भटवाड़ी सैंण में अत्यधिक स्थिति खराब रही। यहां वाहन दिनभर आवाजाही नहीं कर सके। जबकि सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच मुनकटिया में भी मार्ग बंद रहा।

पहाड़ के भगोड़े मास्टरों के लिए सबक है इस टीचर की विदाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 14 जुलाई , संत कबीर दास जी ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा है। गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोविंद दियो बताय। उन्होंने गुरु को भगवान से उपर का दर्जा दिया है। ऐसे ही एक गुरु की सेवा ने ग्रामीणों को इतना प्रभावित किया कि उनके स्थानांतरण होने पर छात्र – छात्राएं व अभिभावक रोने लगे। उत्तराखंड में उन टीचरों के लिए ये आज एक सबक और मिसाल दोनों है जो अपने फ़र्ज़ को निभाने की बजाय बहाने बनाकर दुर्गम से सुगम की जुगत भिड़ाते रहते हैं।

सीमांत चमोली जिले के जोशीमठ ब्लॉक में स्थित राजकीय इंटर कॉलेज गणाई में कार्यरत अंग्रेजी शिक्षक रमेश चंद्र आर्य का ट्रांसफर अन्य विद्यालय में होने के बाद, ग्रामीणों ने उन्हें विदाई दी. रमेश चंद्र आर्य ने 18 साल तक पहाड़ के दुर्गम क्षेत्र में सेवा दी और उनका रिजल्ट हमेशा 100 फीसदी रहा. उन्होंने अंग्रेजी जैसे विषय को रुचिकर बनाया और बच्चों को समझाने में आसानी से मदद की. इसलिए, उनके ट्रांसफर से पूरे क्षेत्र के लोगों को भावुकता का एहसास हुआ. जिले के जानकार संजय चौहान बताते हैं कि रमेश चंद्र आर्य जैसे अध्यापकों की वजह से लोगों का सरकारी विद्यालयों में विश्वास और भरोसा बढ़ा है. उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती को मिशन मोड में संपादित किया है और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करके इन क्षेत्रों की परिभाषा बदल दी है.

शिक्षक की विदाई समारोह में हर कोई भावुक था. न सिर्फ उनके ट्रांसफर से छात्र-छात्राओं की आंखे आंसू से तर बतर दिखी, बल्कि उनके साथ-साथ उनके परिवार के सभी सदस्य भी भावुक होते हुए दिखाई दिए.गौरतलब है कि रमेश चन्द्र आर्य का अंग्रेजी राइंका गणाई मोल्टा जोशीमठ से 18 साल बाद अन्यत्र स्थानांतरण हो गया है। जिन्होंने लंबे समय तक शिक्षणेत्तर कार्य में हमेशा शतप्रतिशत रिज़ल्ट दिया है। साथ ही ग्रामीणों को अपने परिवार की तरह समझ कर समाजिक कार्यों में भी अपनी उपस्थिति दी है। उनके विदाई पर विद्यालय के छात्रों के साथ अभिभावक भी रो पड़े।

क्या आप जानते हैं सोने का सही नियम कायदा ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 14 जुलाई , सोने के लिए आठ घंटे से अधिक समय न निकालें। एक स्वस्थ वयस्क के लिए अनुशंसित नींद की मात्रा कम से कम सात घंटे है। अधिकांश लोगों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आठ घंटे से अधिक सोने की आवश्यकता नहीं होती है।रोजाना एक ही समय पर बिस्तर पर जाएं। सप्ताहांत और सप्ताहांत पर अपने सोने के कार्यक्रम में अंतर को एक घंटे से अधिक तक सीमित करने का प्रयास करें।

लगातार बने रहना आपके शरीर के सोने-जागने के चक्र को मजबूत करता है। यदि आप लगभग 20 मिनट के भीतर सो नहीं जाते हैं, तो अपना शयनकक्ष छोड़ दें और आराम से कुछ करें। कुछ पढ़ें या संगीत सुनें। जब आप थके हुए हों तो बिस्तर पर लौट आएं।कई अन्य स्वास्थ्य लाभों के अलावा, संतुलित नाश्ता खाने से आपके शरीर को यह बताकर अपने तंत्र को समन्वयित करने में मदद मिल सकती है कि यह जागने और आगे बढ़ने का समय है। दूसरी ओर नाश्ता छोड़ना, आपके ग्लूकोज की लय में देरी कर सकता है, आपकी ऊर्जा को कम कर सकता है और आपके तनाव को बढ़ा सकता है, ऐसे कारक जो नींद को बाधित करेंगे। आपके फोन, टैबलेट, कंप्यूटर या टीवी द्वारा उत्सर्जित नीली रोशनी विशेष रूप से विघटनकारी है। आप छोटी स्क्रीन वाले उपकरणों का उपयोग करके, चमक को कम करके, या प्रकाश-परिवर्तन करने वाले सॉफ़्टवेयर का उपयोग करके प्रभाव को कम कर सकते हैं।कैफीन आपके तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करता है और रात में आपके शरीर को स्वाभाविक रूप से आराम करने से रोक सकता है। एक अध्ययन में, सोने से 6 घंटे पहले तक कैफीन का सेवन करने से नींद की गुणवत्ता काफी खराब हो जाती है। कैफीन आपके रक्त में 6-8 घंटे तक बढ़ा हुआ रह सकता है। दोपहर 3 से 4 बजे के बाद बड़ी मात्रा में कॉफी पीने की सलाह नहीं दी जाती है, खासकर यदि आप कैफीन के प्रति संवेदनशील हैं या आपको सोने में परेशानी होती है।

अनियमित या लंबी दिन की नींद कम करें

दिन की लंबी झपकी रात की नींद में बाधा डाल सकती है। यदि आप झपकी लेना चुनते हैं, तो अपने आप को आधे घंटे तक सीमित रखें और दिन में देर से ऐसा करने से बचें।हालांकि, यदि आप रात में काम करते हैं, तो आपको काम से पहले दिन में देर से झपकी लेने की आवश्यकता हो सकती है ताकि आपकी नींद का कर्ज चुकाया जा सके।

कर्मचारियों को ई ऑफिस का प्रशिक्षण दिया

पौड़ी। जिला स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों को ई-ऑफिस से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में ई-डिस्ट्रिक मैनेजर प्रकाश चौहान ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से ई-ऑफिस से संबंधित प्रशिक्षण दिया। इस दौरान सीडीओ अपूर्वा पाण्डे ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने कार्यालयों में ई-ऑफिस से संबंधित बैक हेंड ऑपरेशन प्रक्रिया को एक से दो सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि इससे अधिकारी लोकल एडमिन के माध्यम से अपनी पत्रावलियों को ऑनलाइन माध्यम से भेज सकेंगे। इसके बाद ऑफलाइन पत्रावलियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पीडी डीआरडीए संजीव कुमार राय, डीडीओ मनविंदर कौर, डीएसटीओ राम सलोने, कृषि अधिकारी अमरेंद्र चौधरी, पंचायतीराज अधिकारी जितेंद्र कुमार आदि शामिल रहे।

डेढ़ महीने में ही जमींदोज हुई पुरातत्व विभाग की दीवार

चमोली। आदिबदरी मंदिर से सटे निरीक्षण भवन के लिए लाखों की लागत से बनायी गयी पुरातत्व विभाग की दी डेढ़ माह बाद में ही जमींदोज हो गयी। जिससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष विजयेश नवानी में इसकी जांच की मांग उठाई है। लाखों की लागत से संरक्षित आदिबदरी मंदिर समूह से सटे जमीन पर पुरातत्व विभाग द्वारा हाल ही में निरीक्षण भवन के साथ ही दीवार का भी निर्माण किया था। लेकिन यह दीवार गत दिवस भरभरा कर हाईवे पर गिर गयी। जिससे यहां विभाग द्वारा कराये गये विभिन्न निर्माण कार्यों व मरम्मत कार्यों की जांच की मांग उठने लगी है। आदिबदरी मंदिर समिति के पूर्व अध्यक्ष विजयेश नवानी का कहना है कि जब दीवार का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था इस दौरान विभाग के सीए से शिकायत की गयी थी तब उन्होंने इससे मानकों के अनुसार होने की बात कही थी। अब विभाग के सीए प्रमोद सेमवाल को कहना है कि गिरी दीवार को निविदाधारी से ठीक कराया जायेगा। पूर्व मंदिर अध्यक्ष नवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री पोर्टल पर यहां पर होने वाले सभी मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की जांच की मांग की गयी है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस नेताओं का मौन सत्याग्रह दिखावा: बंशीधर भगत

हल्द्वानी। पूर्व कैबिनेट मंत्री व कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने कांग्रेस के मौन सत्याग्रह को दिखावा बताया है। उन्होंने मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं ने अपने विकास की तुलना में देश का विकास किया होता तो पार्टी को आज इस तरह जिला मुख्यालयों में मौन सत्याग्रह नहीं करना पड़ता। मीडिया को जारी बयान में विधायक ने कहा कि आम जनता की समस्याओं से कांग्रेस को कुछ खास लेना देना नहीं है। यदि होता तो जनता की समस्याओं के लिए यूं मौन न रहते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को उनके नेता राहुल गांधी की लोकसभा की सदस्यता समाप्त होने का दर्द अधिक सता रहा है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी विदेश जाकर देश की छवि को धूमिल कर रहे हैं। इस मामले में कांग्रेसी कार्यकर्ता कुछ नहीं बोलने का सत्याग्रह कर रहे हैं। भगत ने कहा पीएम मनमोहन सिंह के कार्यकाल में महंगाई 10 फीसदी के पार हो गई थी। 2009 में तो एक समय खुदरा महंगाई 12 फीसदी से ऊपर चली गई थी। उन्होंने कहा कि भारी बारिश मानसून के कारण आपूर्ति बाधित होने से टमाटर की आवक उत्पादक राज्यों से नहीं हो पा रही है। जिसके चलते कीमतें उछाल ले रही हैं। केंद्र सरकार ने टमाटर की बढ़ती कीमतों से आम जनता को राहत पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ को दक्षिण के राज्य आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र से टमाटर खरीदने के निर्देश दिए हैं। जिन्हें उपभोक्ता केंद्रों पर घटी दरों के साथ बेचने के निर्देश भी दिए हैं।

अतिथि शिक्षकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

पौड़ी। माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ ने उनके लिए ठोस नीति नहीं बनाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। संघ ने गृह जनपद में समायोजन करने, शीतकालीन व ग्रीष्मकालीन अवकाश का वेतन देने दिए जाने की मांग की है। कहा कि जल्द ही समस्याएं पूरी नहीं होने पर संघ उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। बुधवार को माध्यमिक अतिथि शिक्षक संघ की ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस दौरान संघ की जिलाध्यक्ष रेखा रावत, उपाध्यक्ष ऊषा गुसांई ने कहा कि अतिथि शिक्षक अल्प मानदेय में दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं लेकिन सरकार उनके लिए आज तक ठोस नीति नहीं बना पाई है। कहा कि दूसरे जनपदों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को गृह जनपदों में तैनाती देने का शासनादेश जारी नहीं होने से अतिथि शिक्षकों में आक्रोश बना हुआ है। कहा कि शीतकालीव व ग्रीष्मकालीन अवकाश का वेतन अन्य जनपदों को मिल गया है लेकिन पौड़ी जिले के शिक्षकों को यह वेतन नहीं मिल पाया है। जिससे शिक्षकों को आर्थिकी की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। स्थानांतरणों से प्रभावित हुए अतिथि शिक्षकों का समायोजन नहीं होने पर भी अतिथि शिक्षकों ने नाराजगी जताई। अतिथि शिक्षकों ने कहा कि जल्द ही समस्याएं हल नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर अनिल जोशी, चंद्र रावत, वंदना राज, नागेंद्र रावत, सविता रावत, निधि, शिखा रावत, विकास गुसांई, मनोज आदि शामिल थे।

कांग्रेस ने स्वाभिमान न्याय यात्रा की तैयारियां कीं शुरू

पौड़ी। गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र में 17 जुलाई से कांग्रेस स्वाभिमान न्याय यात्रा आयोजित करेगी। जिसको लेकर इन दिनों कांग्रेस तैयारियों में जुटी हुई है। गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष विनोद नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में स्वाभिमान न्याय यात्रा की रूपरेखा तैयार की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष विनोद नेगी ने कहा कि स्वाभिमान न्याय यात्रा के माध्यम से भाजपा द्वारा राज्यों में किए जा रहे भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच रखा जाएगा। साथ ही अंकिता भंडारी प्रकरण में सरकार की हीलाहवाली सहित राज्य में पेपर लीक मामले से लेकर भर्ती घोटालों को भी जनता के सामने रखा जाएगा। पौड़ी शहर से शुरू होने जा रही सम्मान न्याय यात्रा की तैयारियों को लेकर आज जिम्मेदारियां तय की गई। जिससे स्वाभिमान न्याय यात्रा के जरिए जनता तक संदेश पहुंचाया जा सके।

‘श्री बद्रीनाथ धाम’ की नई तस्वीरें देख दंग रह जायेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 14 जुलीन , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल उत्तराखंड के बद्रीनाथ का मास्टर प्लान को आप देख कर दंग रह जायेंगे। बद्रीनाथ धाम को केंद्र की प्रस्तावित योजनाओं में शुमार करने और ₹परम धाम₹ को विश्व स्तरीय रूप देने का विज़न रखते हुए आज यहाँ तेज़ी ने निर्माण कार्य किये जा रहे हैं। बेहद सुरक्षित और सुन्दर इस कल्पना को आज धरातल पर साकार किया जा रहा है जिसमें श्रद्धालुओं को एक नयी बद्रीनाथ नगरी का दीदार होगा जहाँ आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुपम संगम भी नज़र आएगा। सीधे पीएमओ और खुद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार इस प्रोजेक्ट को मॉनिटर कर रहे हैं। ऐसे में प्रदेश के स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने इन तस्वीरों को साझा किया है। जिसको देखकर आप भी वाह कह उठेंगे

राहुल गाँधी उत्तराखंड में करेंगे पदयात्रा ! दिल्ली में हुआ मंथन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरदून , 14 जुलाई , उत्तराखंड कांग्रेस के लिए गुरुवार का दिन बेहद ख़ास रहा क्योंकि दिल्ली में सीधे राहुल गाँधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहाड़ की रिपोर्ट ली है। इस लम्बी बैठक में सभी गुट भले ही एक साथ बैठे दिखे लेकिन क्या एकता का सबक पढ़कर दून लौटने पर ये नेता एक साथ पार्टी के लिए मजबूती से मिलकर कदम बढ़ाएंगे ये आने वाले दिनों में नज़र आ जायेगा। वहीँ नेता विपक्ष यशपाल आर्य और अध्यक्ष करन माहरा ने अपनी रिपोर्ट पेश की और कई सुझाव भी दिए जिसपर राहुल गांधी ने भी अपनी राय रखी है। , सबसे बड़ी खबर जुडी है उत्तराखंड के अग्निवीरों से जुडी क्योंकि कुमाऊं और गढ़वाल रेजीमेंट का घर है। यहाँ का हर जवान फौज में जाना चाहता है। अग्निवीर योजना से उनके सपनों को नुकसान हुआ है। इसके विरोध में उत्तराखंड कांग्रेस पूरे राज्य में पदयात्रा निकालने जा रही है जिसमें पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी भी शामिल होंगे। बताया गया है कि जल्द ही इसका रोडमैप तैयार होगा।

दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक के बाद अध्यक्ष पीसीसी करन माहरा ने ये बात कही है। वहीँ बैठक में शामिल उत्तराखंड प्रदेश प्रभारी देवेंद्र यादव ने कहा कि इस बैठक में आगामी कार्यों के लिए चर्चा हुई। जो सुझाव मिले हैं, उन्हें लागू करने का काम किया जायेगा। आपको यहाँ बता दें कि इस बैठक में पूर्व सीएम हरीश रावत , पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह , पूर्व मंत्री हारक सिंह रावत सहित सभी प्रदेश के दिग्गज नेता शामिल हुए थे।

संपादकीय

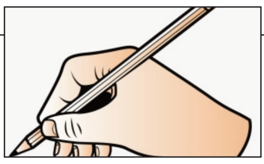

शिमला से दूर कितना हिमाचल

लगातार तीन दिनों तक हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने भारी बरसात से प्रभावित इलाकों में शिविर लगाया, तो राहत के पैमाने बदल गए। यानी बाढ़ व अत्यधिक बारिश की स्थिति में फंसे हिमाचल की जनता के नासूर दिखाई दिए और हजारों लोगों को बरसात की फांस से सुरक्षित निकाला गया। कुल्लू-मनाली से चंद्रताल झील या पार्वती वैली में फंसे पर्यटक अगर सुरक्षित अपने घरों को रवाना हो पाए, तो यह सरकार का शिमला के बाहर मौके पर मौजूद रहने का स्पर्श है। ऐसे में सवाल यह कि राजधानी शिमला के राजनीतिक-प्रशासनिक गलियारे क्यों नहीं राजस्तरीय दृष्टि को मजबूत होने देते। हालांकि सच यह है कि विभिन्न विभागों ने शिमला में बैठे-बैठे जरूर सोचा होगा कि मानसून के चक्र में प्रदेश की रखवाली कैसे की जाए, लेकिन हिमाचल का चक्कर किसी ने नहीं लगाया। राजधानी को फुर्सत नहीं कि प्रदेश के कोने-कोने को देखा जाए। ऐसे में मुख्यमंत्री का आपदाग्रस्त क्षेत्रों में होना साबित करता है कि मौके की तासीर में फैसले कितने चुस्त दुरुस्त व सच्चे होते हैं। दरअसल हिमाचल के भीतर कई-कई हिमाचल दौडऩे लगे हैं, लेकिन राजधानी की अकड़ में प्रशासनिक पकड़ का फासला दिखाई देता है। एक दौर शुरू हुआ था जब प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की राह पर कुछ क्षेत्रीय दफ्तरों की पौध उगी, लेकिन अब ये अप्रासंगिक व निहत्थे कबूतर हैं, जो सिर्फ अधिकारियों को पदोन्नत होने का अवसर देते हैं। जरूरत तो आज भी यही है कि शिमला से भरमौर और सिरमौर एक सरीखा लगे या चनौर से किन्नौर तक हिमाचल एक जैसा सोचे। यह असंभव है कि राजधानी की दमक में फाइलों के हस्ताक्षर महंगे और लंबे होते रहें। हिमाचल में सुशासन की पद्धति आज भी सचिवालय की बाबूगिरी के तहत नौकरशाही की आबरू में चलती है। हिमाचल की फाइलों का रिकार्डरूम भले ही राजधानी की ताजपोशी करे, लेकिन जब क्षेत्रीय अस्मिता के प्रश्न उभरते हैं, तो बर्फबारी, बाढ़ या अन्य आपदा के समय दर्द बढ़ जाता है। उदाहरण के लिए हिमाचल का शिक्षा विभाग वार्षिक स्कूली अवकाश को लेकर प्रदेश के इतने टुकड़े कर देता है कि इसे खुद मालूम नहीं होता कि कब बारिश और कब बर्फबारी होगी। बागबानी विभाग सेब के कूलिंग आवर्स गिनते-गिनते भूल जाता कि बिलासपुर-हमीरपुर के बूटों पर आम क्यों नहीं लगे या क्यों कांगड़ा का किन्नू टहनियों पर सूख गया। शिमला हिमाचल के औद्योगिक विकास को परवाणू व बीबीएन के बीच समेट कर देखता है, तो राजधानी से करीब होने की वजह से सारी ट्रैफिक प्लानिंग वहीं के ट्रैफिक जाम में उलझी रह जाती। हिमाचल की बरसात को जानने के लिए हर नदी, खड्ड या नाले के दर्द को समझना होगा।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

डीएम ने गुल पर अतिक्रमण की जांच कर कार्रवाई के दिए निर्देश

हल्द्वानी। जिलाधिकारी वंदना ने सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता व एसडीएम को महेठा बंगर के प्रधान की शिकायत पर गूल पर हो रहे अतिक्रमण की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्ति पर कब्जा किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग सरकारी ऐसे मामलों में कार्रवाई के लिए हमेशा तैयार रहें। कैंप कार्यालय हल्द्वानी में जन सुनवाई के दौरान बमेठा बंगर के ग्राम प्रधान हरेन्द्र असगोला ने बताया कि स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में बनी गूल पर अतिक्रमण कर दिया है। जिससे वर्षाकाल में कॉलोनी में पानी भर जाता है। उन्होंने डीएम से अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया। इस पर जिलाधिकारी ने ईई सिंचाई केएस बिष्ट व एसडीएम मनीष कुमार सिंह को तत्काल जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राजीव नगर निवासी दिव्यांग संतोष कुमार की पेंशन दिलाने की मांग पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को कार्यवाही करने को कहा।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के चुनाव 26अगस्त को

हल्द्वानी। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के चुनाव 26 अगस्त को होंगे। गुरुवार को कालाढूंगी रोड स्थित डेनिस फार्मास्यूटिकल में मुख्य चुनाव अधिकारी चंद्रशेखर दानी की अध्यक्षता में हुई एसोसिएशन की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक में संस्था संरक्षक चंद्रशेखर पंत, चेयरमैन उमेश चंद्र जोशी, अध्यक्ष नरेंद्र साहनी, महामंत्री संदीप जोशी, कोषाध्यक्ष संजय त्यागी, नवीन पाठक, विजय राणा, राकेश राणा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक को कांवडि़यों के वाहन ने मारी टक्कर

ऋषिकेश। तपोवन में पूर्व प्रधान की माता की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए निकले नरेंद्रनगर के पूर्व विधायक सडक़ हादसे में घायल हो गए। भद्रकाली के पास उन्हें और उनके बाइक सवार साथी को कांवडियों के वाहन ने टक्कर मार दी। जख्मी हालत में आपातकालीन सेवा से उन्हें सरकारी अस्पताल लाया गया। चिकित्सकों ने फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। जानकारी के मुताबकि पूर्व विधायक ओम गोपाल रावत गुरुवार को साथी पूर्ण सिंह के साथ बाइक पर सवार होकर नरेंद्रनगर से तपोवन आ रहे थे। सुबह करीब 11 बजे भद्रकाली तिराहे पास उन्हें कांवडियों के वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। पूर्व विधायक और घायल साथी को ऋषिकेश के सरकारी चिकित्सालय में भिजवाया गया। बताया जा रहा है पूर्व विधायक तपोवन में पूर्व प्रधान चैन सिंह की माता की अंत्येष्टि में शामिल होने जा रहे थे। थानाध्यक्ष रितेश शाह ने बताया कि फिलहाल कोई शिकायत पूर्व विधायक ने नहीं दी है। तहरीर मिलती है, तो मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पूर्व विधायक के घायल होने की सूचना मिलने के बाद कई समर्थकों ने अस्पताल पहुंचकर उनका हाल जाना।

उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर फिर से भाजपा काबिज होगी : दुष्यंत गौतम

ऋषिकेश। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम का जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान गौतम ने कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि राज्य की पांचों लोकसभा सीटों पर फिर से भाजपा काबिज होगी। एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं से बातचीत में प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने पर चल रहे महा जनसंपर्क अभियान को सफल बनाने के लिए कहा। उन्होंने सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में भी बताया। बोले, घर-घर पहुंचकर हर शख्स को सरकार के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी जाए। जिला महामंत्री राजेंद्र तडियाल ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश में महज नौ साल में वह सब कर दिया, जोकि 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। विपक्षी नेता पीएम मोदी की लोकप्रियता से घबराकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। स्वागत करने वालों में मेयर अनिता ममगाईं, किसान मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष जागेंद्र पुंडीर, भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा, नरेंद्र सिंह नेगी, भारत गुप्ता, आदेश पंवार, मंगल रौथाण, कृष्णा राठौड़, नरेंद्र रावत, मातबर सिंह बिष्ट, सुखदेव फर्सवाण, अरविंद सैनी, प्रभात चौधरी, श्यामवीर सिंह, सुबोध नौटियाल आदि मौजूद रहे।

हाथियों ने दर्जनों खेतों में फसल रौंदी

ऋषिकेश। झबरावाला में हाथियों के उत्पात से किसान परेशान हैं। हाथी हर रोज गन्ने की फसल को तहस-नहस कर रहे हैं। इससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वन कर्मियों को सूचना के बावजूद वह हाथी की आमद को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने को तैयार नहीं हैं। खैरी निवासी नरेंद्र सिंह ने बताया कि राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क से हाथी खेतों तक पहुंच रहे हैं। हाथियों से फसल को बचाने के लिए रातभर जान हथेली पर लेकर रखवाली करनी पड़ रही है। बरसात में खेतों की देखभाल रात में और भी ज्यादा मुश्किल हो गई है। वन कर्मियों को हाथी की आमद की सूचना देने बाद भी वह नहीं पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुधवार रात हाथियों ने उनके साथ ही दलजीत सिंह, बीर सिंह, मुकेश थापा, त्रेपन सिंह नेगी, तुलसी सिंह, करीमुद्दीन, तारा चंद, ओम बहादुर गुरुंग, गोपाल तिवारी और हुकुम सिंह आदि किसानों की गन्ने की फसल को रौंद दिया।

जिलाधिकारी सोनिका ने किया आपदा प्रबंधन केंद्र का औचक निरीक्षण, दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 14 जुलाई , जिलाधिकारी सोनिका ने आपदा प्रबंधन केंद्र का औचक निरीक्षण कर संचालन का जायजा लिया। उन्होंने जनपद में अतिवृष्टि से हुई क्षति की जानकारी लेते हुए अद्यतन कार्यवाही की भी जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मार्ग बंद होने की दशा में संबंधित अधिकारी को त्वरित कार्यवाही करते हुए सड़क शुचारु किया जाए। जिलाधिकारी ने समस्त विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा सम्बन्धी सूचना पर त्वरित प्रक्रिया करते हुए आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ वीडियोकांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक लेते हुए आपदा के दृष्टिगत सड़क शुचारु करने तथा राहत एवं बचाव कार्य त्वरित सक्रियता से संपादन करने के आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने सड़क से संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया कि अपने अपने क्षेत्र से संबंधित सड़क अवरुद्ध होने पर उसकी सूचना तत्काल आपदा प्रबंधन केंद्र, के कंट्रोलरूम एवं पुलिस को देना सुनिश्चित करेंगे। ताकि सड़क अधिक समय तक बंद होने की दशा में मार्ग के दोनों और फँसे लोगों की वैकल्पिक रूट से आवागमन अथवा ठहराने की समुचित व्यवस्था की जा सके।

उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र कि वस्तुस्थिति के दृष्टिगत अधिक वर्षा अथवा भूस्खलन की संभावना को ध्यान में रखते हुए, विद्यालयों की छुट्टी का निर्णय अपने स्तर से लेना सुनिश्चित करेंगे। जिस हेतु उन्होंने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को जिलाधिकारी की ओर से आदेश जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आईआरएस से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्र में तैनात रहते हुए, सौपे गये दायित्व का सक्रियता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजीशरण शर्मा, सहायक निदेशक सूचना बद्री चंद नेगी, आपदा प्रबंधन अधिकारी दीपशिखा रावत आदि उपस्थित थे तथा उप जिलाधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारी वीडियोफान्फ्रेंसिंग के माध्मय से जुड़े रहे।

भारी बारिश के अलर्ट के चलते उत्तराखंड के सभी स्कूल-आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश में भारी बारिश के अलर्ट के मद्देनजर शुक्रवार और शनिवार को सभी सरकारी, निजी शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा। गुरुवार को इसके आदेश जारी कर दिए गए। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की। इस बार छात्र-छात्राओं के साथ ही शिक्षक और कर्मचारी को भी अवकाश दिया गया है। इससे पहले बारिश की वजह सोमवार और मंगलवार को भी अवकाश कर दिया गया था। उच्च स्तर से निर्देश के बाद दोपहर ही राज्यस्तरीय आपातकालीन कंट्रोल रूम के डयूटी अफसर अजीत सिंह ने सभी डीएम और जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन केंद्रों को इस बाबत आदेश जारी कर दिए थे।

हालांकि आदेश जारी होने के बाद कुछ देर तक गफलत भी बनी रही। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी सभी डीजी-शिक्षा बंशीधर तिवारी, शिक्षा निदेशकों जिला स्तरीय अधिकारियों को इस आदेश को कुछ समय होल्ड पर रखने की गुजारिश करते रहे। उनका कहना था कि कुछ समय बाद शासन स्तर से इसका विधिवत आदेश जारी किया जाएगा। दूसरी तरफ, शिक्षा महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने बताया कि सभी निदेशक, सीईओ, डीईओ को निर्देश दिए गए है कि वो तत्काल सभी स्कूलों को अवकाश की जानकारी दे दें।

शिक्षक-कर्मियों ने जताया आभार

स्कूल अवकाश के दौरान शिक्षक-कार्मिकों को भी ड्यूटी से मुक्त रखने का शिक्षकों ने सरकार का आभार जताया। पिछले कुछ दिनों से शिक्षक अवकाश के दौरान स्कूल बुलाए जाने का विरोध भी कर रहे थे। पिछले दिनों स्कूल जाते वक्त सडक़ हादसे में एक शिक्षक की मृत्यु के बाद से यह मुद्दा काफी गरमा भी गया था। राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान ने कहा कि सरकार ने स्कूल बंद होने पर शिक्षकों को न बुलाने का स्वागतयोग्य फैसला किया है। यदि स्कूल में छात्र हो तो ही शिक्षक के रहने की सार्थकता होती है।

आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें विभाग: प्रेमचंद अग्रवाल

ऋषिकेश। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने गौहरीमाफी में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पानी से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को जल्द बाढ़ सुरक्षा कार्य करने को कहा। गुरुवार को मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने अधिकारियों के साथ गौहरी माफी में बाढग्रस्त इलाकों का जायजा लिया। उन्हेंने यहां जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली। उन्होंने यहां पहले से टूटी हुई सडक़ को आपदा प्रबंधन के बजट से बनाने के लिए दूरभाष पर डीएम सोनिका से बात की। उन्होंने गौहरीमाफी और खदरी में सौंग नदी और गंगा की बाढ़ से बचाव के लिए बाढ़ सुरक्षा कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों को बाढ़ सुरक्षा के लिए चेनेलाइजेशन के कार्य को शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे जनता को खतरे से बचाया जा सके। मौके पर उप जिलाधिकारी सौरभ असवाल, उप निदेशक राजाजी नेशनल कहकशा, रेंजर मोतीचूर आलोकी, सिंचाई विभाग के उप खंड अधिकारी अनुभव नौटियाल, सहायक अभियंता लोनिवि सतीश सिंह, कनिष्ठ अभियंता लक्ष्मी कांत गुप्ता, कनिष्ठ अभियंता लोनिवि कुलदीप, ग्राम प्रधान रोहित नौटियाल, प्रधान सागर गिरी, राजेश जुगलान, जिला मंत्री गणेश रावत, रमेश कंडारी, शांति प्रसाद थपलियाल, सुमन रावत आदि मौजूद रहे।

12 घंटे बाधित रहा ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे

ऋषिकेश। मूसलाधार बारिश के चलते पर्वतीय मार्गों पर भूस्खलन का सिलसिला जारी है। गुरुवार को ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे मलबा गिरने से 12 घंटे तक बाधित रहा। पुलिस ने ऋषिकेश से रूट डायवर्ट कर वाहन नरेन्द्रनगर होकर श्रीनगर भेजे। उधर, मलबा गिरने से नीलकंठ मोटर मार्ग पर भी वाहनों की आवाजाही करीब एक घंटे तक बाधित रही। भारी बारिश के चलते बुधवार रात्रि करीब 11 बजे देवप्रयाग और कौडियाला के पास मलबा गिरने से ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे बाधित हो गया। मलबा गिरने से प्रशासन ने देवप्रयाग एवं ऋषिकेश से वाहनों का रूट डायवर्ट कर दिया। गुरुवार सुबह भी भारी मात्रा में मलबा हाईवे पर गिरता रहा। इसके चलते हाईवे पर वाहनों का रूट डायवर्ट करना पड़ा। भारी वाहन ऋषिकेश-टिहरी होकर श्रीनगर भेजे गये। जबकि हल्के वाहन नरेन्द्रनगर-खाड़ी होकर श्रीनगर भेजे गये। बीते रोज भी बदरीनाथ हाईवे बाधित होने पर रूट डायवर्ट करना पड़ा था। मूसलाधार बारिश के चलते बीते कुछ दिनों से पर्वतीय रूटों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

कांवड़ यात्रा : गंगाजल लेकर शिवालयों की ओर बढने लगे कांवडिय़े

ऋषिकेश। बीते 10 दिनों से चल रही कांवड़ यात्रा अपने चरम पर पहुंच गई है। कांवडिये अब पवित्र गंगाजल लेकर अपने शिवालय की ओर बढ़ रहे हैं। हाईवे पर लौट रहे शिव भक्तों का जगह-जगह स्वागत और सेवा हो रही है। गुरुवार को सडकों पर डाक कांवडियों की भागमभाग लगी रही। शिवालायों में जलाभिषेक करने के लिए कांवडियों के लौटने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। डाक कांवड़ के जत्थों में शामिल शिवभक्त एक-एक कर गंगाजल लेकर भागते नजर आए। गुरुवार को नीलकंठ महादेव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। शिव भक्तों ने विशेष पूजा-अर्चना कर मन्नतें मांगीं। इसके साथ ही शहर का मुख्य मार्ग पूरे दिन डाक कांवडियों के हवाले रहा। बाइकों के अलावा डाक कांवड़ लेकर शिवभक्त मंजिल की तरफ तेजी से दौड़ते रहे। गुरुवार शाम छह बजे बाद डाक कांवड़ लेकर आने वाले शिवभक्तों की संख्या में कमी दिखी। लेकिन लौटने वाले कांवडियों की संख्या काफी रही। शुक्रवार को भी लौटने वाले शिवभक्तों की संख्या अधिक रहेगी। हालांकि पश्चिमी यूपी से आने वाले कांवडियों की संख्या में अब इजाफा हो गया है। एसपी देहात कमलेश उपाध्याय ने बताया कि गुरुवार को कांवडियों की भीड़ रही।

संक्षिप्त खबरें

गोर्खाली समुदाय ने धूमधाम से मनाया आदि कवि भानुभक्त का 209वां जन्म जयंती समारोह

देहरादून। आदि कवि आचार्य भानुभक्त के 209 वें जन्म जयंती समारोह में गोर्खाली समुदाय के अनुयायियों ने दीप प्रज्वलित करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यापण किया व उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उनकी कविताओं का पाठ व भजन हुए। कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र दिए गए। गोर्खाली सुधार सभा में हुए कार्यक्रम में सभाध्यक्ष पद्म सिंह थापा ने सभी को आचार्य भानुभक्त के जन्म जयंती समारोह की शुभकामनाएं दी। पंडित गोविंद प्रसाद पंथी ने आचार्य भानुभक्त का परिचय देते हुए बताया कि उनका जन्म 13 जुलाई 1874 को नेपाल में हुआ। नेपाली भाषा, संस्कृति एकीकरण में उनका अहम योगदान है। वधुशिक्षा उनकी सुप्रसिद्ध रचना है। रामचरितमानस का सरल नेपाली भाषा में अनुवाद रामायण मार्फत के नाम से किया। जिसका आज भी घर घर सस्वर पाठ किया जाता है। मीडिया प्रभारी प्रभा शाह, उपाध्यक्ष पूजा सुब्बा चंद, दीपशिखा ढकाल, रितिका शर्मा, उदय ठाकुर, विष्णु प्रसाद ढकाल, अमृता गुरुंग, शुभवंती उपाध्याय, इंद्र सिंह शाही, श्याम प्रकाश राई, देवकी देवान, सरोज गुरुंग, भूपेन्द्र अधिकारी आदि ने कविता पाठ किया। कोसैली सांगितिक समूह ने उनके भजन सुनाए। गोर्खाली सुधार सभा के कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई कढ़ाई केन्द्र के प्रशिक्षुओं को त्रैमासिक प्रमाण पत्र दिए गए। संचालन सांस्कृति सचिव वाईबी थापा ने किया। मौके पर गोपाल क्षेत्री, कर्नल जीवन क्षेत्री, सचिव मधुसूदन शर्मा, आरएस थापा, पीएन राई, पीडी लिम्बू, पुष्पा क्षेत्री, सीके राई, श्याम राना, जितेन्द्र खत्री मौजूद रहे।

धाद का हरेला पर्व 16 जुलाई से

देहरादून। सामाजिक संस्था धाद द्वारा इस साल हरेला पर्व का आयोजन 16 जुलाई से किया जाएगा। संस्था इस बार पेड़ लगाने के अलावा पेड़ बचाने पर भी अपना फोकस रखेगी। विशेषकर कॉलोनी व सोसाइटी में जाकर लोगों को हरेला का महत्व समझाया जाएगा और वहां खाली पड़ी जमीन पर पौधरोपण किया जाएगा। शहर के पुराने पेड़ों को बचाने को लेकर भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। लैंसडौन चौक के पास हुई एक प्रेस वार्ता में धाद के सचिव तनमय ममगाईं, अर्चना ग्वाडी, हिमांशु, किशन सिंह और गणेश उनियाल ने बताया कि 16 जुलाई को गांधी पार्क के पास पीपल के पेड़ से स्वागत मार्च निकाला जाएगा, जो घंटा घर होते हुए कनाट प्लेस तक जाएगा। हरेला माह के दौरान सरकारी, निजी स्कूलों व प्राइवेट संस्थानों में जाकर युवाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। 23 जुलाई को रन फॉर हरेला का आयोजन घंटाघर से बनिया वाला तक किया जाएगा। 30 जुलाई को सांस्कृतिक संध्या होगी।

राज्यपाल ने दून अस्पताल में कराया दांतों का इलाज, मंत्री और प्राचार्य को सराहा

देहरादून। राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (सेनि) गुरुवार को दून अस्पताल पहुंचे। उन्होंने दंत रोग विभाग में दंत चिकित्सकों से अपना उपचार कराया। दांतों की क्राउनिंग एवं कैपिंग से संबंधित प्रोसिजर किया गया। एम्स से आए एक वरिष्ठ चिकित्सक एवं दून अस्पताल के डॉक्टरों ने यह प्रक्रिया की। अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत एवं निदेशक डा. आशुतोष सयाना से भी उन्होंने मुलाकात की। मंत्री को स्वास्थ्य चिंतन शिविर की मेजबानी एवं स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए और प्राचार्य डा. सयाना को मेडिकल कॉलेज में नशामुक्ति को कराए कार्यक्रम एवं अस्पताल में बेहतर व्यवस्थाओं के लिए सराहा। वह करीब एक घंटा यहां रहे। इस दौरान एमएस डा. युसुफ रिजवी, डीएमएस डा. धनंजय डोभाल, एचओडी डेंटल डा.अमित शाह, डा. प्रत्यक्ष पंवार, डा. देवाशीष सवाईं, डा. अंकुर जोशी, डा. कनिका शर्मा, डा. रामेश्वरी, सीपीआरओ महेंद्र भंडारी, एओ दीपक राणा, विनोद नैनवाल, दिनेश रावत, जसवंत रावत आदि मौजूद रहे।